16x18 cm

एसआरएमएस में हुई सफल व्हिपल्स सर्जरी, आठ घंटे चला ऑपरेशन

गुडलाइफ ने दी लाइफ

- मुश्किल व्हिपल्स तकनीक से डा.अमित सक्सेना ने किया आपरेशन
- आपरेशन के बाद पूरी तरह स्वस्थ हैं 65 वर्षीय बब्बन
- कोशिकाओं की अनियंत्रित ग्रोथ से शरीर में फैल चुका था पीलिया
- छोटी आंत, पेनक्रियाज और पित्त की नली तक फैल रहा था कैंसर

बरेली: फर्रूखाबाद के कायमगंज तहसील निवासी 65 वर्षीय बब्बन पिछले ढाई महीने से अजीब सी दिक्कत में थे। आंखे पीली हो रही थीं। पेशाब का रंग भी बदल रहा था। जैसे किसी ने पीला रंग घोल दिया हो। शुरुआत में इसे पीलिया ही समझा गया और इलाज भी इसी का हुआ। कायमगंज में फायदा न होने पर परिजन इन्हें लेकर फर्रूखाबाद और फिर शाहजहांपुर के डाक्टरों के पास पहुंचे। दवाइयों से बेहतरी तो दूर हालात और बिगड़ते जा रहे थे। शाहजहांपुर में किसी डाक्टर ने कैंसर का अंदेशा बता कर मुंबई जैसे शहर के हायर सेंटर में जाने की सलाह दी। लेकिन लॉकडाउन में दूर जाना संभव नहीं हुआ। ऐसे में रिश्तेदार उन्हें लेकर एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल पहुंचे। गैस्ट्रो सर्जन डा. अमित सक्सेना को दिखाया। कुछ जांचों में ही बीमारी पकड़ में आ गई। रिपोर्ट कैंसर की ओर ही इशारा कर रही थीं। ऐसे में मुश्किल हालातों की जानकारी देकर डा. सक्सेना ने परिजनों को तुरंत बब्बन के आपरेशन की सलाह दी। रजामंद होने पर पांच सितंबर को व्हिपल्स आपरेशन हुआ। आठ घंटे के आपरेशन के बाद बब्बन को कैंसरयुक्त सेल्स से निजात मिली। बेहद जटिल यह आपरेशन बरेली की स्वास्थ्य सुविधाओं में भी एक मील का पत्थर साबित हुआ। तेजी से स्वस्थ हो रहे बब्बन के बेटे गुच्छन, बेटी अफसाना के साथ रिश्तेदार शमीम आजाद, शहाना भी डा.अमित सक्सेना के इलाज और आपरेशन से संतुष्ट व खुश हैं। वे कहते हैं कि हमारी टूटती उम्मीदों को बांध कर सच में गुड लाइफ ने लाइफ दे दी। डा.अमित तो हमारे लिए फरिश्ता ही बन कर आए। आपरेशन के बाद पता चला कि यह कितना बड़ा और जरूरी आपरेशन था। डा.अमित भी बब्बन की रिकवरी से संतुष्ट हैं। वे कहते हैं कि आठ घंटे का आपरेशन काफी मुश्किल और नाजुक था। बब्बन में पीलिया के लक्षण थे। जबकि इसकी वजह पीलिया की आम वजह से अलग थी। पेट के पेरीएंपुलेरी रीजन जहां लीवर, पेट और छोटी आंत मिलती हैं, वहां कोशिकाओं की अनियंत्रित ग्रोथ थी। इससे यकृत में बनने वाला पित्त छोटी आंत तक नहीं पहुंच पा रहा था। इसे सर्जिकल पीलिया कहते हैं। आपरेशन के बाद सब ठीक है। हालांकि बायोप्सी रिपोर्ट में कैंसर की पुष्टि हुई है लेकिन अब कोई डरने की बात नहीं। जल्द ही बब्बन अपनी सामान्य जिंदगी की ओर लौटेंगे।

SRMS Goodlife
A MULTI SPECIALITY HOSPITAL
स्टेडियम रोड, बरेली

कौन हैं डा.अमित

डा.अमित सक्सेना एमएस हैं और सीनियर लैप्रोस्कोपिक सर्जन के रूप में एसआरएमएस मेडिकल कालेज के सर्जरी विभाग में काफी समय से कार्यरत हैं। गुडलाइफ हास्पिटल स्थापित होने के बाद अब मरीजों को वहीं पर देखते हैं। गॉलब्लैडर, एपैंडिक्स, हार्निया, लीवर, पैनक्रियाज, बाइल डक्ट, खाने की नली, छोटी व बड़ी आंत, गुर्दा एवं मलाशय की सर्जरी के साथ हर तरीके की गैस्ट्रो सर्जरी में डा.अमित माहिर हैं। मोटापा कम करने वाली बैरियाट्रिक और व्हिपल्स जैसी बड़े शहरों में होने वाली सर्जरी को भी बरेली में सफलतापूर्वक अंजाम दे रहे हैं। उनकी सर्जरी पर बड़े शहरों वाला खर्च नहीं आता। और मरीज को अपने ही शहर में अपनों के बीच स्वस्थ होने का विकल्प भी मिलता है। **मो.: 9458702002**

क्या है व्हिपल्स सर्जरी का मतलब

यह पेनक्रियाज (अग्न्याशय), आंत और पित्त की नली के संयुक्त आपरेशन की एक जटिल प्रक्रिया है। आपरेशन में यह प्रक्रिया सबसे पहले एलेन ओल्डफादर व्हिपल्स ने आजमाई थी। उन्हीं के नाम पर इसे व्हिपल्स सर्जरी कहा जाता है। इसमें पेनक्रियाज के सिर को हटाने के साथ ही छोटी आंत का पहला हिस्सा, गॉलब्लैडर की थैली और पित्त नली के एक भाग को हटाया जाता है। जिससे इन भागों की अनियंत्रित ग्रोथ वाली कैंसरयुक्त कोशिकाओं को शरीर से अलग किया जा सके। इन्हें हटाने के बाद आंत, पित्त की नली और पेनक्रियाज को फिर से जोड़ा जाता है। इस दौरान नलियों के लीक होने का खतरा होता है। इसीलिए ज्यादातर सर्जन इस प्रक्रिया और आपरेशन को करने से बचते हैं। अब गुडलाइफ में डा.सक्सेना के रूप में इस आपरेशन को करने वाले कुशल सर्जन हैं।